vkj- ,u- vkbZ- ,u- UPHIN/2010/32566 Mkd- iathdj.k la[;k& SSP/LW/NP-311

अद्भुत समाचार

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी साप्ताहिक

हर ख़बर पर पैनी नज़र

o"kZ % 12 vad % 46 y[kuÅ] lkseokj 14 ekpZ 2022 ls 21 ekpZ] 2022 rd i"B&8 ewY; % ,d :i;k

चुनावी सफलता के बाद पीएम मोदी से मिले योगी आदित्यनाथ, सरकार गठन को लेकर हुई चर्चा

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में मिली सफलता के बाद आज योगी आदित्यनाथ दिल्ली पहुंचे हैं। अपने दिल्ली दौरे के दौरान योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री न रेंद्र मोदी से मुलाकात की है। बताया जा रहा है कि इस मुलाकात में नई सरकार के गठन पर चर्चा हुई। इस मुलाकात के बाद प्रधानमंत्री ने ट्वीट कर कहा कि आज योगी आदित्यनाथ जी से भेंट हुई। उन्हें उत्तर प्रदेश चुनाव में मिली ऐतिहासिक जीत की बधाई दी। बीते ५ वर्षों में उन्होंने जन–आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए अथक परिश्रम किया है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि आने वाले वर्षों में वे राज्य को विकास की ओर अधिक ऊंचाइयों पर ले जाएंगे। दोनों नेताओं के बीच यह मुलाकात १.४५ मिनट तक चली। योगी ने शपथ ग्रहण में शामिल होने के लिए प्रधानमंत्री को आमंत्रित भी किया। वहीं योगी ने ट्वीट कर कहा कि विश्व के सर्वाधिक लोकप्रिय राजनेता, 'आत्मनिर्भर भारत' के शिल्पकार, 'एक भारत–श्रेष्ठ भारत' के स्वप्नदृष्टा आदरणीय प्रधानमंत्री जी से आज नई दिल्ली में स्नेहिल भेंट हुई। अपनी व्यस्ततम दिनचर्या से समय प्रदान करने व आत्मीय मार्गदर्शन करने हेतु प्रधानमंत्री जी का हृदयतल से आभार! इससे पहले योगी आदित्यनाथ ने उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू से मुलाकात की थी। इसके अलावा योगी आदित्यनाथ की मुलाकात संगठन महामंत्री बीएल संतोष से भी हुई है। योगी आदित्यनाथ ने इसके बाद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा से भी मुलाकात की। योगी आदित्यनाथ के दिल्ली दौरे के दौरान उत्तर प्रदेश में सरकार गठन पर बड़ा निर्णय हो सकता है। उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ किस दिन शपथ लेंगे, इस पर भी फैसला हो सकता है। आपको बता दें कि ३७ सालों बाद उत्तर प्रदेश में किसी सीएम की अगुवाई में दोबारा सरकार लौटी है। भाजपा गठबंधन ने ४०३ में से २७३ सीटों पर जीत हासिल की है।

योगी आदित्यनाथ खेलेंगे अपनी दूसरी पारी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव में प्रचंड बहुमत के साथ लगातार दूसरी बार प्रदेश की सत्ता पर काबिज होने जा रही भारतीय जनता पार्टी की तरफ से बतौर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अपनी दूसरी पारी खेलेंगे। यह तो तय है कि गोरखपुर शहर से निर्वाचित विधायक योगी आदित्यनाथ ही मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। उनके साथ में मंत्री पद की शपथ लेने वालों के नाम पर भाजपा संगठन में मंथन जारी है। २०२४ के लोकसभा चुनाव को देखते हुए इस बार मंत्रिमंडल में जातीय के साथ क्षेत्रीय संतुलन भी साधा जाएगा। डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के साथ ही ११ मंत्रियों के चुनाव हारने के कारण काफी संख्या में नए चेहरों को मौका मिलेगा। डिप्टी सीएम पर दलित को भी आजमाया जा सकता है।प्रदेश के कार्यवाहक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को नई दिल्ली में भाजपा के शीर्ष नेतृत्व के साथ बैठक करेंगे। इस दौरान उनके साथ भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्रदेव सिंह तथा प्रदेश के महामंत्री संगठन सुनील बंसल भी रहेंगे। भारतीय जनता पार्टी अब उत्तर प्रदेश में अगली सरकार के गठन की तैयारियों में है। डिप्टी सीएम का एक पद खाली हो गया है। इसके लिए दलित को आगे लाया जाएगा। माना जा रहा है कि भाजपा केन्द्रीय मंत्री कौशल किशोर पर दांव खेल सकती है। यह तो तय है कि इस बार योगी आदित्यनाथ कैबिनेट का चेहरा काफी बदला हुआ होगा। मंत्री पद पर करीब डेढ़ दर्जन नए चेहरों को मौका मिलेगा। भाजपा अपने सहयोगी दलों अपना दल (एस) तथा निषाद पार्टी के विधायकों को भी मंत्रिमंडल में जगह देगी।पार्टी दोनों डिप्टी सीएम बदलेगी। डा. दिनेश शर्मा के चुनाव न लडने और केशव प्रसाद मौर्य के कौशांबी की सिराथू से चुनाव हारने के बाद से डिप्टी सीएम के दोनों पद पर नए चेहरे सामने होंगे। एक चेहरा भाजपा प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्रदेव सिंह का भी हो सकता है।पुलिस की नौकरी छोड़कर विधायक बने असीम अरुण तथा राजेश्वर सिंह में से किसी एक का मंत्री बनना तय है। असीम अरुण कन्नौज सदर तथा राजेश्वर सिंह लखनऊ के सरोजनीनगर से विधायक निर्वाचित हुए हैं। रिकार्ड मतों से जीतने वाले गाजियाबाद के साहिबाबाद से विधायक सुनील शर्मा लगातार दूसरी बार विधायक बने हैं। उनका नाम भी शामिल हो सकता है। भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष दयाशंकर सिंह ने बलिया सदर से जीत दर्ज की है। उनकी मंत्री पत्नी का टिकट काटा गया, अब उनको मौका मिल सकता है।देवरिया से बड़ी जीत दर्ज करने वाले मुख्यमंत्री के मीडिया सलाहकार शलभमणि त्रिपाठी के साथ ही रायबरेली सदर की विधायक अदिति सिंह को भी मंत्रिमंडल में जगह मिल सकती है। हरदोई के नितिन अग्रवाल, आगरा ग्रामीण की बेबी रानी मौर्य तथा एमएलसी अरविंद शर्मा को भी मौका मिल सकता है। अपना दल से एमएलसी आशीष पटेल, कायमगंज से विधायक डॉ.सुरभि, प्रयागराज की बारा सीट से विधायक वाचस्पति के अलावा निषाद पार्टी से डा. संजय निषाद, तमुकहीराज से विधायक असीम राय को योगी आदित्यनाथ मंत्रिमंडल में जगह दी जा सकती है।

तीन दिवसीय दौरे पर गोरखपुर आएंगे RSS प्रमुख, प्रांत पदाधिकारियों और स्वयंसेवकों की बैठक में होंगे शामिल

गोरखपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत तीन दिवसीय दौरे पर २० मार्च को गोरखपुर आएंगे। अपने तीन दिवसीय प्रवास में संघ प्रमुख स्वयंसेवकों की बैठक लेंगे। उनके दौरे के मद्देनजर १८ मार्च से कार्ययोजना बनाकर दायित्व वितरण किया जाएगा। संघ प्रमुख २२ की रात या २३ मार्च की सुबह गोरखपुर से प्रस्थान करेंगे। संघ प्रमुख गोरक्ष क्षेत्र के सभी चार प्रांतों की बैठक लेंगे या सिर्फ गोरक्ष प्रांत की बैठक लेंगे यह भी तय नहीं हो सका है। इतना तय है कि प्रांत पदाधिकारियों और स्वयंसेवकों की विभिन्न श्रेणियों की बैठक लेंगे। उन्हें संघ की भविष्य की योजनाओं से अवगत कराएंगे। इन बैठकों का दौर २० और २१ मार्च को चलेगा। अलग–अलग श्रेणियों की ये बैठकें, सरस्वती शिशु मंदिर चिउटहां में होगी। आखिरी दिन २२ मार्च को योगिराज बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह कुटुंब प्रबोधन सम्मेलन होगा जिसमे वह संघ और विचार परिवार के सदस्यों और उनके परिवार के लोगों को संबोधित करेंगे। हालांकि जिले से संघ के बड़े पदाधिकारी ७ मार्च से ही अखिल भारतीय प्रतिनिधि सभा में शामिल होने के लिए गुजरात दौरे पर हैं। इसलिए अभी पूरी कार्ययोजना नहीं बन सकी है। संघ प्रमुख पांचवीं बार आ रहे

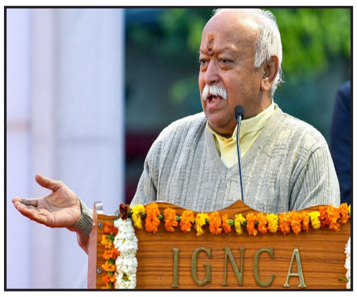

गोरखपुरः संघ प्रमुख के तौर पर मोहन भागवत का गोरखपुर में यह पांचवां आगमन होगा। पहली बार वह कार्यकारी मंडल की बैठक में हिस्सा लेने के लिए गोरखपुर आए थे जिसमें देशभर के संघ के पदाधिकारी गोरखपुर में जुटे थे। दूसरी बार सरस्वती शिशु मंदिर पक्कीबाग, तीसरी बार संस्कृति पब्लिक स्कूल और चौथी बार जनवरी २०२० में सरस्वती शिशु मंदिर बिलंदपुर खत्ता में आयोजित बैठक में शामिल हुए थे।

पीएम मोदी की हाई लेवल बैठक, भारत की सुरक्षा संबंधित तैयारियों की समीक्षा की

लखनऊ। रूस और यूक्रेन के बीच पिछले १८ दिनों से युद्ध जारी है। इस युद्ध की वजह से लाखों लोगों को यूक्रेन छोड़ना पड़ा है जबकि हजारों लोगों की मौत हो गई है। इस युद्ध की वजह से भारत के कई नागरिक यूक्रेन में फंसे हुए थे जिन्हें अ परेशन गंगा के तहत भारत लाया गया। इन सब के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बार फिर से हाई लेवल बैठक की है। सूत्रों के मुताबिक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के

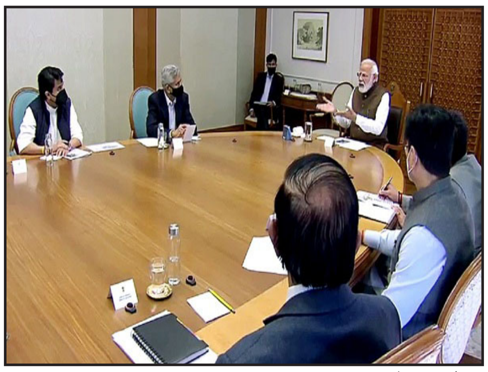

इस बैठक में भारत की सुरक्षा संबंधित तैयारियों और यूक्रेन में जारी संघर्ष के संदर्भ में मौजूदा वैश्विक परि श्य की समीक्षा की गई। इस बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अलावा रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और विदेश मंत्री एस जयशंकर भी मौजूद थे। मीटिंग की एक वीडियो भी सामने आई है जिसमें राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत दोवाल भी दिखाई दे रहे हैं। आपको बता दें कि भारत लगातार रूस और यूक्रेन के बीच शांति की अपील कर रहा है। भारत दोनों देशों से बातचीत के जरिए मुद्दों के समाधान की बात भी कर रहा है। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी दोनों देशों के राष्ट्रपतियों से बातचीत की है।

सम्पादकीय

इस बार योगी उप मुख्यमंत्री बनाने को तैयार होंगे या नहीं?

उत्तर प्रदेश में भाजपा ने अपने सभी बड़े नेताओं को चुनाव लड़ाया था लेकिन राज्य के एक उप मुख्यमंत्री दिनेश शर्मा चुनाव नहीं लड़े थे। दूसरे उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य चुनाव लड़े लेकिन हार गए। सो, अब इस बात पर संशय है कि सरकार की संरचना क्या होगी? योगी आदित्यनाथ मुख्यमंत्री बनेंगे तो उनके साथ कौन उप मुख्यमंत्री होगा? इस बार योगी उप मुख्यमंत्री बनाने को तैयार होंगे या नहीं? और सबसे बड़ा सवाल यह कि केशव प्रसाद मौर्य का क्या होगा? दूसरी चर्चा केशव प्रसाद मौर्य और दिनेश शर्मा दोनों को संगठन में भेजे जाने की है। दोनों विधान परिषद के सदस्य हैं। इसलिए उनको अपने पद पर रखते हुए संगठन में भेजा जाए और २०२४ के लोकसभा चुनाव की तैयारी में लगाया जाए। पिछली बार योगी केंद्रीय नेतृत्व की पा से मुख्यमंत्री बने थे इसलिए बड़ी आसानी से उन्होंने दो उप मुख्यमंत्री स्वीकार कर लिए थे। लेकिन इस बार कहा जा रहा है कि वे मुश्किल से इसके लिए तैयार होंगे। सवाल है कि अगर तैयार होते हैं तो कौन बनेगा उप मुख्यमंत्री? अगर उप मुख्यमंत्री बनते हैं तो एक ओबीसी नेता को जिम्मेदारी मिलेगी और दूसरा दलित हो सकता है। इस लिहाज से बेबी रानी मौर्य के नाम की चर्चा हो रही है, जो उत्तराखंड की राज्यपाल रही हैं और मायावती के जाटव समुदाय से आती हैं। ध्यान रहे इस बार जाटव समाज मायावती से छिटका है और भाजपा को वोट दिया है। गैर जाटव दलित का वोट भी भाजपा को मिला है। ध्यान रहे केशव प्रसाद मौर्य उत्तर प्रदेश में भाजपा के सबसे बड़े नेताओं में शामिल हैं। वे भाजपा का ओबीसी चेहरा हैं। इसलिए पार्टी उनकी अनदेखी नहीं कर सकती है। २०१७ का चुनाव पार्टी ने उनके चेहरे पर लड़ा था। इस बार वे भले हार गए हैं लेकिन पार्टी के लिए उनकी उपयोगिता कम नहीं हुई है। तभी नतीजों के बीच पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि २०१२ से पहले भाजपा सिराथू सीट कभी नहीं जीती थी। केशव प्रसाद मौर्य ने वह सीट पहली बार जीती थी। इसलिए इस बार अगर वे हारते हैं तो उससे एक नेता के तौर पर उनके कद पर असर नहीं होगा। दूसरे, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी २०२४ के लोकसभा चुनाव के लिहाज से सरकार का गठन कराएंगे ताकि जीतने का समीकरण बना रहे। इसलिए इस बात की भी चर्चा है कि केशव प्रसाद मौर्य को केंद्र में मंत्री बनाया जा सकता है।

अखिलेश यादव की सरकार न बनने से दुखी युवक ने खाया जहर

लखनऊ। अखिलेश यादव की सरकार न बनने से आहत चिनहट के कमता इलाके में रहने वाले ४० वर्षीय विजय यादव उर्फ नरेंद्र ने गुरुवार शाम जहरीला पदार्थ खा लिया। हालत गंभीर होने पर विजय को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहर खाने से एक दिन पहले विजय ने एक वीडियो बनाकर इंटरनेट मीडिया पर वायरल किया था। जिसमें उसने कहा कि अखिलेश सरकार न बनी तो वह आत्महत्या कर लेगा। इंस्पेक्टर चिनहट ने बताया कि विजय अवध बस अड्डे के पास चाय का ठेला लगता है। गुरुवार शाम करीब पांच बजे उसने पारिजात अपार्टमेंट के पास जहरीला पदार्थ खा लिया। जहर खाते ही वह सड़क पर गिर गया और तड़पने लगा। घटना से आस पड़ोस के लोगों की भीड़ जुट गई। लोगों ने कंट्रोल रूम को सूचना दी। आनन फानन पुलिस ने विजय को अस्पताल में भर्ती कराया। जहां, उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है। पुलिस ने घटना की जानकारी विजय के परिवारजन को दी। इंस्पेक्टर ने बताया कि हालत सामान्य होने पर विजय ने बताया कि वह अखिलेश की सरकार न बनने से आहत था। इस लिए जहर खा लिया था। उसके घरवालों ने बताया कि विजय बीते कई दिनों से दुकान भी नहीं लगा रहा था। वह चुनाव के परिणामों को लेकर काफी तनाव में था। वहीं, इंस्पेक्टर ने बताया कि विजय के वीडियो के बारे में उन्हें जानकारी नहीं है।

सपा विधायक दल की बैठक २१ को

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के विधायक दल का नेता कौन होगा, इसे लेकर अटकलें लगाई जाने लगी हैं। पार्टी के नए चुने गए विधायकों की पहली बैठक २१ मार्च को होगी। इसमें विधायक दल के नेता का नाम तय होगा। बताया जा रहा है कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के चाचा शिवपाल यादव को यह जिम्मेदारी सौंपी जा सकती है। विधायक दल की बैठक के लिए सपा ने अपने विधायकों को सुबह ११ बजे प्रदेश कार्यालय में बुलाया है। इस बैठक में सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव और राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव प्रोफेसर रामगोपाल यादव भी मौजूद रहेंगे। बताया जा रहा है कि अखिलेश यादव की अध्यक्षता में होने वाली इस बैठक में हार के कारणों पर भी विचार किया जा सकता है। इसके अलावा सपा इस बैठक में नेता प्रतिपक्ष का नाम भी तय कर सकती है। नेता प्रतिपक्ष के लिए शिवपाल यादव के अलावा विधायक लालजी वर्मा और माता प्रसाद पाण्डेय के नाम की भी चर्चा है। इस बैठक में विधान परिषद में स्थानीय प्राधिकारी चुनाव क्षेत्र के चुनावों को लेकर भी रणनीति बनाई जा सकती है। इससे पहले रविवार को शिवपाल सिंह यादव ने कहा कि चुनाव में कुछ खामियां रह जाती हैं, जिसके कारण हम चुनाव हार गए हैं। समीक्षा के बाद अपनी खामियां पता कर उसे दूर करेंगे। उन्होंने कहा कि चुनाव संगठन के दम पर लड़ा जाता है, इसलिए भविष्य में संगठन को भी मजबूत करेंगे। जनता के मुद्दों को सपा सदन के अंदर व बाहर मजबूती से उठाती रहेगी।

बसपा के प्रवक्ता नहीं जाएंगे टीवी बहस में

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव में करारी हार के बाद बहुजन समाज पार्टी की प्रमुख मायावती ने टेलीविजन चौनलों और मीडिया समूहों पर बडा हमला किया है। साथ ही उन्होंने अपने सभी प्रवक्ताओं के न्यूज चौनलों पर होने वाली बहस आदि कार्यक्रमों में शामिल होने पर रोक लगा दी है। बसपा प्रमुख ने शनिवार को एक ट्विट में आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के दौरान मीडिया ने जातिवादी द्वेषपूर्ण व घृणित रवैया अपनाकर अंबेडकरवादी बसपा आंदोलन को नुकसान पहुंचाने का काम किया। उन्होंने कहा कि इस हालत में पार्टी प्रवक्ताओं को भी नई जिम्मेदारी दी जाएगी। उन्होंने कहा कि इसलिए पार्टी के सभी प्रवक्ता सुधींद्र भदौरिया, धर्मवीर चौधरी, डा. एमएच खान, फैजान खान व सीमा कुशवाहा अब टीवी बहसों आदि कार्यक्रमों में शामिल नहीं होंगे। गौरतलब हैं कि ४०३ विधानसभा सीटों पर हुए चुनाव में बसपा का केवल एक उम्मीदवार जीता है।

चाचा शिवपाल को बड़ी भूमिका सौंपेंगे अखिलेश

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के नतीजे आ गए हैं। तमाम पार्टियों ने चुनावों में अपनी पूरी ताकत झोंक दी थी। बावजूद इसके सत्तारूढ़ भाजपा ने अपने दम पर सरकार बना लिया है। भाजपा ने अपने सहयोगियों के साथ ४०३ सीटों वाले उत्तर प्रदेश विधानसभा में २७३ सीटों को अपने नाम किया है। जबकि लगातार सरकार बनाने का हुंकार भरने वाले अखिलेश यादव और उनकी पार्टी को एक बार फिर से सत्ता नहीं मिली है। अखिलेश यादव अपने गठबंधन के सहयोगियों के साथ सिर्फ १२५ सीटें ही जीत सके हैं। भाजपा की सत्ता वापसी कहीं ना कहीं उत्तर प्रदेश के इतिहास में यह पहली बार हो रहा है। हार के बाद समाजवादी पार्टी की ओर से प्रतिक्रिया भी आई है। इसके साथ ही समाजवादी पार्टी अब बड़ा फैसला भी ले सकती है। जानकारी के मुताबिक समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव प्रगतिशील समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष शिवपाल यादव को नेता प्रतिपक्ष बना सकते हैं। अखिलेश यादव ने २१ मार्च को विधायक दल की बैठक बुलाई है जिसमें शिवपाल यादव के नाम पर सहमति बन सकती है। सूत्रों के मुताबिक शिवपाल यादव विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष की भूमिका में नजर आ सकते हैं। पहले यह पद वरिष्ठ नेता रामगोविंद चौधरी के पास था। हालांकि वह इस बार का विधानसभा चुनाव हार गए हैं। रामगोविंद चौधरी बलिया के बासडीह सीट से चुनावी मैदान में थे। शिवपाल यादव ने इटावा के जसवंतनगर सीट से समाजवादी पार्टी के टिकट पर जीत हासिल की है। शिवपाल यादव समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता रहे हैं। वह मुलायम सिंह यादव के छोटे भाई भी हैं। २०१७ में अखिलेश यादव से अनबन के बाद उन्होंने अपनी पार्टी बना ली थी। माना जा रहा है कि अखिलेश यादव केंद्र की राजनीति में सक्रिय रहना चाहते हैं। इसलिए वह विधायक पद छोड़ देंगे और आजमगढ़ से सांसद बने रहेंगे। ऐसे में राज्य की राजनीति में समाजवादी पार्टी को मजबूत करने की जिम्मेदारी शिवपाल यादव के पास होगी। शिवपाल यादव पहले भी समाजवादी पार्टी के लिए संगठन में काम करते रहे हैं।

अवैध कच्ची शराब के साथ एक युवक गिरफ्तार

लखनऊ। गोसाईगंज पुलिस ने एक युवक को अवैध देसी शराब के साथ किया गिरफ्तार युवक के कब्जे में १० लीटर अवैध कच्ची शराब पुलिस ने किया बरामद युवक के विरुद्ध आबकारी अधिनियम के अंतर्गत मुकदमा पंजीकृत किया पुलिस द्वारा जानकारी के मुताबिक गोसाईगंज पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत मौजूद थीं तभी मुखबिर की सूचना पर गोसाईगंज पुलिस बताए हुए व स्थान गोसाईगंज थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम शिवलर पहुंची जहां पर एक युवक संदिग्ध दिखाई पड़ा युवक पुलिस को देख कर भागने का प्रयास करने लगा गोसाईगंज पुलिस ने युवक को दौड़ा कर मौके पर ही दबोच लिया नाम पता पुछने पर अपना नाम नागेंद्र रावत पुत्र स्वर्गीय प्रेम रावत, ग्राम शिवलर थाना गोसाईगंज लखनऊ का निवासी बताया युवक के कब्जे में १० लीटर अवैध शराब पुलिस ने बरामद किया उसके बाद गोसाईगंज थाने लेकर आई जहां आरोपी के विरुद्ध आबकारी अधिनियम के अंतर्गत मुकदमा पंजीकृत किया गया।

स्थानीय निकाय के चुनाव के चलते १३ अप्रैल तक जारी रहेगी आचार संहिता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव के परिणाम आने के बाद अब विधान परिषद स्थानीय निकाय के चुनाव होने हैं। इसके कारण प्रदेश में अभी १३ अप्रैल तक आचार संहिता लागू रहेगी। पहले विधानसभा चुनाव के साथ ही विधान परिषद के भी चुनाव होने थे, लेकिन राज्य निर्वाचन आयोग ने बाद में विधान परिषद चुनाव के लिए नया कार्यक्रम जारी किया। नौ अप्रैल को दोनों चरण का मतदान होगा जबकि १२ अप्रैल को मतगणना के बाद परिणाम आ जाएंगे।उत्तर प्रदेश में विधान परिषद स्थानीय निकाय चुनाव की प्रक्रिया १५ मार्च से प्रारंभ होगी। विधान परिषद के स्थानीय प्राधिकारी क्षेत्र की ३६ सीटों पर १५ मार्च से चुनाव प्रक्रिया शुरू होगी। पहले यह चुनाव विधानसभा चुनाव के साथ ही करवाने का कार्यक्रम तय हुआ था। चुनाव आयोग ने इसके लिए बाकायदा समय सारिणी भी घोषित कर दिया था। मगर बाद में चार फरवरी को इस बाबत जारी अधिसूचना को निरस्त कर दिया गया।राज्य निर्वाचन आयोग ने इसको लेकर नया कार्यक्रम जारी किया है, जिसके अनुसार अब २६ एमएलसी सीटों के लिए १५ मार्च से नामांकन दाखिल होंगे। नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि १६ मार्च है। २१ मार्च को नामांकन पत्रों की जांच होगी। २३ मार्च तक नामांकन वापस लिए जा सकेंगे। अगर जरूरी हुआ और एक सीट पर एक से अधिक नामांकन हुए तो शनिवार नौ अप्रैल को मतदान करवाया जाएगा। १२ अप्रैल को मतगणना करवाई जाएगी और परिणाम घोषित होंगे।पहले चरण में ३० सीटों पर मतदान होगा। यह ३० सीट मुरादाबाद–बिजनौर, रामपुर–बरेली, बदायूं, पीलीभीत–शाहजहांपुर, हरदोई, खीरी, सीतापुर, लखनऊ–उन्नाव, रायबरेली, प्रतापगढ़, सुलतानपुर, बाराबंकी, बहराइच, आजमगढ़–मऊ, गाजीपुर, जौनपुर, वाराणसी, मीरजापुर–सोनभद्र, इलाहाबाद, बांदा–हमीरपुर, झांसी– जालौन–ललितपुर, कानपुर–फतेहपुर, इटावा–फर्रुखाबाद, आगरा–फिरोजाबाद, मथुरा–एटा–मैनपुरीअलीगढ़, बुलंदशहर, मेरठ–गाजियाबाद तथा मुजफ्फरनगर–सहारनपुर हैं। इनमें भी मथुरा–एटा–मैनपुरी सीट से दो सदस्य चुने जाते हैं बाकी सभी निर्वाचन क्षेत्रों से एक–एक सदस्य का चुनाव होता है। दूसरे चरण में छह

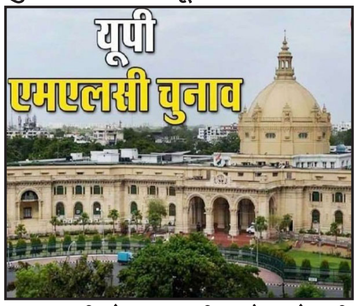

अन्य सीटों पर भी नौ को ही मतदान होगा।विधान परिषद चुनाव के दूसरे चरण में गोण्डा, फैजाबाद, बस्ती–सिद्धार्थनगर, गोरखपुर–महाराजगंज, देवरिया और बलिया स्थानीय निकाय क्षेत्र की छह एमएलसी सीटों के लिए नामांकन १५ मार्च से दाखिल होना शुरू होंगे। २२ मार्च नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख होगी। २३ मार्च नामांकन पत्रों की जांच होगी। २५ मार्च नामांकन वापसी की आखिरी तारीख तय की गयी है। नौ अप्रैल को मतदान होगा। १२ अप्रैल को मतगणना करवायी जाएगी। उसी दिन परिणाम की घोषणा होगी।विधानमंडल के उच्च सदन में अभी तक समाजवादी पार्टी के सदस्यों की संख्या भारतीय जनता पार्टी के सदस्यों से अधिक है। अब दोबारा सत्ता में लौटने के बाद भाजपा का प्रयास विधान परिषद के चुनाव में भी बहुमत हासिल करने का रहेगा। विधान परिषद चुनाव में भाजपा इस बार विधानसभा चुनाव में हार प्रमुख नेताओं उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के साथ सुरेश राणा, सतीश कुमार द्विवेदी तथा उपेन्द्र तिवारी और विधायक संगीत सोम आदि को उच्च सदन में लाने का रहेगा।सौ सीटों वाली विधान परिषद में स्थानीय प्राधिकारी निर्वाचन क्षेत्रों की ३६ सीटें यहां राजनीतिक दलों का गणित बदलती रही हैं। वर्ष २०१६ के चुनाव में समाजवादी पार्टी को ३१ सीट मिली थीं। दो सीटों पर पर बसपा जीती थी। रायबरेली से कांग्रेस के दिनेश प्रताप सिंह जीते थे। वाराणसी से बृजेश कुमार सिंह व गाजीपुर से विशाल सिंह श्चंचलश ने जीत दर्ज की थी। दिनेश प्रताप सिंह बाद में भाजपा में शामिल हो गए। यह चुनाव भाजपा के लिए काफी महत्वपूर्ण है। भाजपा इसमें अधिक से अधिक सीटें जीतकर विधान परिषद में बहुमत हासिल करना चाहेगी, जबकि समाजवादी पार्टी को विधानसभा चुनाव के बाद यहां पर भी अपनी सीट बचाने में लगना होगा।विधान परिषद में स्थानीय प्राधिकार निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव में नगर निगम, नगर पालिका परिषद, नगर पंचायतें, जिला पंचायतें, क्षेत्र पंचायतें व छावनी बोर्ड के सदस्य मतदान करते हैं। वर्ष २०१६ के चुनाव में कुल १,२७,४६१ मतदाता थे। यह चुनाव ६३८ मतदान केंद्रों पर हुआ था। इस बार के चुनाव में यह संख्या करीब १.४० लाख होने की उम्मीद है।

भाजपा की जीत परा खुशी मना रहे लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्रों को नोटिस जारी

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी की प्रचंड जीत की खुशी मना रहे लखनऊ विश्वविद्यालय के नए कैंपस में विद्यार्थियों को नोटिस जारी की गई है। तीन दिन के भीतर उन्हें अपना पक्ष रखने के लिए भी कहा गया है। जवाब न देने पर निष्कासन की कार्रवाई किए जाने की भी चेतावनी दी गई है।विद्यार्थियों का आरोप है कि भाजपा की जीत पर जय श्री राम के नारे लगाए जा रहे थे, यह बात बात असिस्टेंट प्राक्टर मो अहमद को रास नहीं आई। उन्होंने विद्यार्थियों को शराब के नशे में गाली गलौज दी और कार्रवाई संबंधी नोटिस भी जारी कर दी। उधर, विश्वविद्यालय प्रशासन ने विद्यार्थियों को एक सिरे से खारिज करते हुए घटना के पीछे विद्यार्थियों की शरारत बताई हैं। मामला १० मार्च की रात १० से १२ बजे का है। विश्वविद्यालय के दूसरे परिसर के विद्यार्थियों का कहना है कि वे भाजपा की जीत की खुशी में उत्साहित थे। कुछ विद्यार्थी छात्रावास के ठीक सामने वालीबाल खेल रहे थे। भाजपा की जीत की खुशी मना रहे विद्यार्थियों ने इस दौरान कई बार जय श्री राम के नारे लगाए। नारेबाजी और शोर शराबा सुन असिस्टेंट प्रोक्टर मो अहमद वहां पहुंच गए। छात्रों का आरोप है कि असिस्टेंट प्रोक्टर शराब के नशे में थे। पहुंचते ही उन्होंने जय श्री राम के नारे लगाने पर नाराजगी जाहिर की। विद्यार्थियों के न मानने पर उन्होंने गाली गलौज शुरू कर दी। उसके बाद कई प्राक्टोरियल बोर्ड के अन्य सदस्य व शिक्षक भी वहां आ गए, उन्होंने भी छात्रों पर कार्रवाई किए जाने की धमकी दी। दूसरी दिन ११ मार्च को विश्वविद्यालय के छ छात्रों को कारण बताओ नोटिस जारी कर दी गई। इससे नाराज विद्यार्थियों ने मामले की शिकायत विश्वविद्यालय प्रशासन के उच्चाधिकारियों से की है। मैंने आज तक शराब नहीं पी। छात्र जो आरोप लगा रहे हैं, उसका प्रमाण दें, अथवा मेरी जांच करा ली जाए। १० मार्च की रात छात्रावास में बहुत हुड़दंग हो रहा था, कैंपस का माहौल खराब होने की स्थिति पैदा हो गई थी। मैंने विद्यार्थियों से सिर्फ यही कहा था कि इतनी रात में शोर शराबा करना ठीक नहीं। कैंपस में ही लोगों के आवास भी हैं, इससे लोगों को परेशानी हो रही है। इस पर छात्रों ने मुझे और अन्य शिक्षकों को गाली गलौज देना शुरू कर दिया। इसी अशिष्टता पर नोटिस जारी की गई है। जय श्री राम के नारे पर कार्रवाई की बात गलत है। सरकार हमारी भी है, हमें भी जीत की खुशी है। हम भी गोरखपुर से हैं। –मो अहमद, –असिस्टेंट प्राक्टर, लखनऊ विश्वविद्यालय, द्वितीय कैंपस , –डा दुर्गेश श्रीवास्तव, प्रवक्ता, लखनऊ विश्वविद्यालय

भीषण आग से कई होटल और झोपड़पट्टी जलकर राख

लखनऊ। राजधानी के दुबग्गा इलाके में रिंग रोड पर शुक्रवार देर रात करीब दो बजे सड़क किनारे बने होटल और झुग्गी बस्ती में आग लग गई। आग से करीब आधा दर्जन होटल और झोपड़पट्टी जलकर राख हो गईं। आग की तपिश से होटल में रखे गैस सिलिंडर तेज धमाकों के साथ फटे। घटना से अफरा–तफरी मच गई। दमकल कर्मियों ने आठ गाड़ियों की मदद से दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया।रिंग रोड पर सड़क किनारे झोपड़ी में अरविंद कुमार और विरेंद्र कुमार का होटल है। शुक्रवार देर रात होटल से धुआं और आग की लपटें निकलती देख लोगों ने शोर मचाना शुरू कर दिया। आस पड़ोस में राजकुमार, जरीन और अन्य झोपड़ियों में सो रहे लोग बचाव में भाग खड़े हुए। पानी फेंककर आग पर काबू पाने का प्रयास शुरू किया। आग बेकाबू होते देख लोगों ने दमकल को सूचना दी।चौक, हजरतगंज और बीकेटी से दमकल कर्मी गाड़ियां लेकर पहुंचे। इस बीच आग की तपिश से झोपड़पट्टी और दुकानों में रखे गैस सिलिंडर धमाके के साथ फटने लगे। ताबड़तोड़ हुए धमाकों से इलाके में दहशत फैल गई। लोग

सुरक्षा की दृष्टि से भाग निकले। दमकल कर्मियों ने करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया आग की चपेट में आने से छह होटल और झोपड़पट्टी जल गईं। चीफ फायर अफसर विजय कुमार सिंह ने बताया कि आग से कोई हताहत नहीं हुआ है। समय रहते आग पर काबू पा लिया गया था। सड़क किनारे बनी झोपड़पट्टी और चाय के होटल जले हैं।

दिन दहाड़े असलहों से लैस तीन बदमाशों नें पत्तल व्यवसायी को लूटा

लखनऊ। मड़ियांव की श्याम विहार कालोनी में शनिवार दिन दहाड़े असलहों से लैस तीन बदमाशों ने दोना–पत्तल व्यवसायी ऋषि गुप्ता उनकी पत्नी शालिनी, साले और दो नौकरों को घर के अंदर बंधक बना लिया। नकाबपोश बदमाशों ने अलमारी की चाभी मांगी। विरोध पर व्यवसायी की पत्नी के बाजू कर धारदार हथियार से वार किया। फिर चाभी लेकर अलमारी खोली उसमें रखी २५ लाख की नकदी और सोने–चांदी समेत करीब ३० लाख के जेवर लूट ले गए।बदमाशों ने सभी के मोबाइल छीनकर स्विच आफ कर दिए थे। वारदात के बाद सबको एक कमरे में बन्द कर दिया। बाहर से कुंडा लगाया और फरार हो गए। बदमाशों के भागने के बाद कमरे में बंद पूरा परिवार चीख पुकार मचाता रहा। शोर सुनकर पड़ोसी दौड़े उन्होंने दरवाजा खोला। सभी बाहर निकले। ऋषि ने पुलिस कंट्रोल रूम को घटना की जानकारी दी। सूचना मिलते ही जेसीपी क्राइम नीलाब्जा चौधरी, डीसीपी उत्तरी एनएस चिनप्पा, एडीसीपी प्राची सिंह, इंस्पेक्टर मड़ियांव वीर सिंह भारी पुलिस के साथ पहुंचे। पुलिस और फोरेंसिक टीम ने घटना स्थल कर निरीक्षण किया। पुलिस व्यवसायी के घर को जाने वाले मार्गों पर लगे सीसी कैमरों की पड़ताल कर रही है। एडीसीपी ने बताया कि क्राइम ब्रांच समेत कई टीमें वारदात के राजफाश के लिए लगाई गई हैं।

पुलिस ने अवैध कच्ची शराब के साथ युवक को किया गिरफ्तार

लखनऊ। गोसाईगंज पुलिस ने एक युवक को अवैध देसी शराब के साथ किया गिरफ्तार युवक के कब्जे में १० लीटर अवैध कच्ची शराब पुलिस ने किया बरामद युवक के विरुद्ध आबकारी अधिनियम के अंतर्गत मुकदमा पंजींत किया पुलिस द्वारा जानकारी के मुताबिक गोसाईगंज पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत मौजूद थीं तभी मुखबिर की सूचना पर गोसाईगंज पुलिस बताए हुए व स्थान गोसाईगंज थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम शिवलर पहुंची जहां पर एक युवक संदिग्ध दिखाई पड़ा युवक पुलिस को देख कर भागने का प्रयास करने लगा गोसाईगंज पुलिस ने युवक को दौड़ा कर मौके पर ही दबोच लिया नाम पता पुछने पर अपना नाम नागेंद्र रावत पुत्र स्वर्गीय प्रेम रावत, ग्राम शिवलर थाना गोसाईगंज लखनऊ का निवासी बताया युवक के कब्जे में १० लीटर अवैध शराब पुलिस ने बरामद किया उसके बाद गोसाईगंज थाने लेकर आई जहां आरोपी के विरुद्ध आबकारी अधिनियम के अंतर्गत मुकदमा पंजीकृत किया गया।

उत्तर प्रदेश में बीजेपी की बड़ी जीत के बीच योगी आदित्यनाथ ने रचा इतिहास

नई दिल्ली। बीजेपी ने हाल ही में संपन्न विधानसभा चुनावों में एक बार फिर से पांच राज्यों उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, मणिपुर और गोवा में से चार में जीत हासिल की है, जिसमें पंजाब आम आदमी पार्टी के पास गया है। योगी आदित्यनाथ अपने आलोचकों को चुप कराने में कामयाब रहे हैं जिन्होंने उन पर और उनकी पार्टी पर विभाजनकारी राजनीति और कोविड –१९ स्थिति, विशेष रूप से दूसरी लहर को गलत तरीके से संभालने का आरोप लगाया था। २०२२ के यूपी विधानसभा चुनावों में इस बड़ी जीत के साथ योगी और बीजेपी के लिए होली वास्तव में जल्दी आ गई है, जहां बीजेपी ने २७३ सीटें हासिल की हैं। पार्टी और उसके मुख्यमंत्री ने सत्ता विरोधी लहर को हराकर हट सीट पर कब्जा जमाया। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपना पहला विधानसभा चुनाव लड़ा, गोरखपुर शहरी निर्वाचन क्षेत्र से १,०३,३९० के अंतर से जीत हासिल की। उन्होंने समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार सुभावती उपेंद्र दत्त शुक्ला को हराया। यह पहली बार है जब आदित्यनाथ विधायक चुने गए हैं। इससे पहले, वह विधान परिषद के सदस्य के रूप में चुने जाने के बाद पहली बार मुख्यमंत्री बने थे। २०१७ में यूपी के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने से पहले, वह १९९८ से २०१७ तक लगातार पांच बार गोरखपुर के सांसद थे। २६ साल की उम्र में, आदित्यनाथ सबसे कम उम्र के लोकसभा सांसद थे। २०१७ के चुनाव जीतने के बाद बीजेपी ने उन्हें यूपी का मुख्यमंत्री चुना, योगी ने गृह, अर्थशास्त्र और सांख्यिकी, सैनिक कल्याण, होमगार्ड, कार्मिक और नियुक्ति के साथ–साथ नागरिक सुरक्षा सहित ३६ मंत्रालयों को सीधे अपने नियंत्रण में रखा। वह गोरखनाथ मठ के मुख्य पुजारी भी हैं जो गोरखपुर में एक हिंदू मंदिर है। प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने यूपी के मुख्यमंत्री के रूप में उनके काम की प्रशंसा करके अक्सर उनका समर्थन किया है। पीएम मोदी ने "यूपी प्लस योगी बहुत है अपयोगी" (यूपी प्लस योगी बहुत उपयोगी है) पर एक नया नारा गढ़ा। गोरखपुर सदर सीट भी बीजेपी का गढ़ रही थी, जिसे जनसंघ के दिनों से पार्टी १९६७ के बाद से कभी नहीं हारी थी. उत्तर प्रदेश से अलग होकर उत्तराखंड बनने के बाद योगी आदित्यनाथ सत्ता में लौटने वाले पहले मुख्यमंत्री हैं। कांग्रेस के दिग्गज नेता एनडी तिवारी १९८५ में लगातार कार्यकाल हासिल करने वाले अविभाजित उत्तर प्रदेश के अंतिम मुख्यमंत्री थे। जीत के बाद योगी ने विपक्ष पर साधा निशाना "हम काम कर रहे थे, लेकिन वे एक बड़े पैमाने पर गलत सूचना अभियान चला रहे थे," मुख्यमंत्री ने कहा। योगी ने अन्य राज्यों में भी भाजपा के प्रदर्शन की सराहना की। योगी आदित्यनाथ ने कहा, "राज्य की विशालता को देखते हुए सभी की नजर यूपी पर है।" मुख्यमंत्री ने कहा, "मुझे बहुमत से जिताने के लिए मैं लोगों का शुक्रगुजार हूं.प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हम यूपी, गोवा, मणिपुर और उत्तराखंड में सरकारें बनाएंगे।

दबंगों ने घर में घुसकर महिला से की छेड़छाड़ व मारपीट मुकदमा दर्ज

लखनऊ। चुनावी रंजिश के चलते घर में घुसकर दबंगों ने नशे में धुत होकर विवाहिता से की छेड़छाड़ अभद्रता पति को मारने की धमकी जानकारी के मुताबिक पीड़िता ने प्रार्थना पत्र देकर बताया है कि मुकेश कुमार रवि कुमार पुत्र अवधेश होरीलाल मोहित पुत्र ननकू कुलदीप पुत्र सरजू सनी पुत्र संतराम पुरुषोत्तम पुत्र नन्हे राम ग्राम भावा खेड़ा थाना मोहनलालगंज ने चुनावी रंजिश के चलते योजना बनाकर जान से मारने के लिए प्राथिंनी के घर पर अचानक घुस गए घर पर महिला अकेली थी तभी मौके का फायदा उठाकर सभी विपक्षियों ने महिला से छेड़छाड़ व अभद्रता करने लगे महिला द्वारा विरोध करने पर उसे मारने पीटने लगे और उसके पति को के बारे में पूछने लगे फिर महिला से पति का नंबर लेकर पति रमेश कुमार को धमकी देने लगे और कहा पत्नी को बचाने के लिए अपने घर आओ लेकिन पति रमेश कुमार घर पर ना जाकर अपनी जान बचाकर कनकहा चौकी पहुंचा जहां उसने आपबीती पुलिस को बताई इसके बाद पीड़िता महिला ने लिखित शिकायत करते हुए दबंगों के ऊपर मारपीट एवं छेड़छाड़ को लेकर रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

नेताओं को साथ लाने और सोशल इंजीनियरिंग करने के बाद भी क्यों नहीं जीते अखिलेश

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के चुनावी नतीजों ने योगी आदित्यनाथ और भाजपा की दोबारा सत्ता में वापसी करा दी। वहीं उसकी मुख्य प्रतिद्वंदी कही जाने वाली सपा को एक बार फिर हार का मुंह देखना पड़ा है, लेकिन इसने तमाम समीकरणों को भी बदल दिया है। हमेशा मुस्लिम और यादव की पार्टी कही जाने वाली समाजवादी पार्टी और अखिलेश यादव ने इस बार छोटी पार्टियों से गठजोड़ किया था जो अलग–अलग जातियों में अपनी पैठ रखती हैं। समाजवादी पार्टी को इसका लाभ भी हुआ और सपा का मत प्रतिशत २२ की बजाय ३२: तक बढ़ गया है। इसे अखिलेश यादव की सफलता से जोड़कर देखा जा रहा है, लेकिन फिर भी भाजपा के वोट शेयर के आगें यह कम पड़ गया और अखिलेश यादव फिर विपक्ष में ही बैठेंगे। अखिलेश यादव का मुस्लिम, यादव प्लस फैक्टर भी बीजेपी से टकराने में समर्थ नहीं है। आरएलडी, सुभासपा, अपना दल कमेरावादी, महान दल जैसी पार्टियों के साथ अखिलेश यादव के गठजोड़ की काफी चर्चा थी, लेकिन अखिलेश अपनी इस रणनीति को जीत में बदलने में कामयाब नहीं हो सके। अब सवाल है कि चूक कहां हो गई? सियासी जानकारों का मानना है कि लाभार्थी वर्ग बीजेपी के लिए तुरुप का इक्का साबित हुआ है। इस वर्ग के लोग हर जाति और समुदाय में है, जिनके बड़े हिस्से ने बीजेपी को वोट किया है। यही वजह रही कि पिछड़ों के नाम पर बीजेपी को छोड़ने वाले स्वामी प्रसाद मौर्य जैसे नेता भी सपा को लाभ नहीं पहुंचा पाए और अपनी सीट भी गंवा बैठे। बेरोजगारी महंगाई आवारा पशुओं जैसे मुद्दों पर भी भारी पड़ा लाभार्थी ट्रंप कार्ड, कहा जा रहा था कि लोग महंगाई बेरोजगारी से काफी नाराज हैं। ऐसे में अखिलेश क्या कर सकते हैं कि भविष्य में वह बीजेपी को चुनौती दे सकें? इसका जवाब है कि उन्हें भाजपा से परसेप्शन के लेवल पर लड़ाई लड़नी होगी। इस चुनाव के नतिजों ने एक बात तो साफ कर दी कि जाती आधारित नेताओं की गोलबंदी करने से उस जाति का पूरा समाज आपके साथ नहीं आता है। ऐसे में बीजेपी की उस परसेप्शन की काट सपा को खोजनी होगी, जो उनके खिलाफ जमीन पर काम

करता है। उदाहरण के तौर पर सपा की सरकार आई तो गुंडाराज लौट आएगा, सपा के कार्यकर्ता बेकाबू हो जाएंगे। इसका जवाब सपा को तलाशना होगा। यूपी के सियासी समझ रखने वाले विश्लेषकों का कहना कि पूरे प्रचार के दौरान अखिलेश यादव जनता को यह यकीन दिलाने में नाकाम रहे कि यदि उनकी सरकार आई तो पहले जैसी गलती नहीं होगी। वह कानून व्यवस्था को ठीक करेंगे। यही वजह थी कि महिला सुरक्षा और कानून व्यवस्था के मुद्दे और लाभार्थी वर्ग जैसे समर्थन के आधार पर बीजेपी ने सपा पर बढ़त बना ली। इसके अलावा अखिलेश यादव ने नौकरियां देने और पुरानी पेंशन स्कीम लागू करने का भी वादा किया, लेकिन इस बात को लेकर भी वह जनता को यकीन नहीं दिला सके।

बेखौफ दबंगों के गुट ने लाठी डंडों से लैश होकर किया घर और दुकान पर हमला

लखनऊ। पीजीआई कोतवाली क्षेत्र के कल्ली पश्चिम में बेखौफ दबंगों के गुट ने लाठी डंडों से लैश होकर एक मकान और दुकान पर हमला कर दिया,घर के बाहर खड़ी गाड़ियों को तोड़ डाला,विरोध करने पर घर पर पथराव किया, जिससे घर के शीशे टूट गए,घर में मौजूद महिलाएं और बच्चे दहशत में आ गए,घर के पुरुषों ने भी घर में छिपकर जान बचाई,११२ नंबर पर पुलिस को सूचना देने के बाद दबंग मौके से भाग निकले। घटना सीसीटीवी में कैद हो गई है।पीड़ित ने पीजीआई कोतवाली पहुंच कर नामजद तहरीर दी पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।शैलेष कुमार, कल्ली पश्चिम में रहते हैं,उन्होंने जानकारी देते हुए बताया कि रविवार रात करीब सवा दस बजे की बात है, वह घर में मौजूद थे, पड़ोस में रहने वाले जितेन्द्र कुमार सिंह निवासी कल्ली पश्चिम, राजदेव सिंह, अपनी दुकान में कार्य कर रहे थे।कि अचानक बिना किसी उकसावे के प्रदीप यादव , मुन्ना यादव , शिवकुमार पाल, गोलू यादव , अंकित शर्मा , सचिन यादव, व करीब २५ से ३० अज्ञात लोग एक राय होकर, लाठी डंडों से लैश होकर घर और दुकान पर हमला कर दिया, बाहर खड़ी गाडियाँ यूपी ३२ डक ४८२५, एवं गाडी संख्या – यूपी ३२LT३३२६ तोड़ दी, तीनों लोगों ने घर में छिपकर जान बचाई। हमलावरों ने घर के बाहर लगी हाइलोजन लाइट, और अन्य सामान तोड़ डाला, घर का शीशा तोड़ डाला।और घर का दरवाजा तोड़ने लगे।जिससे घर की महिलाएं और बच्चे दहशत में आ गए।चौकी प्रभारी कल्ली पश्चिम, अजीत पांडेय ने बताया कि एक किशोर द्वारा गिट्टी उछालने को लेकर आपस में कहा सुनी शुरू हुई थी, जिसमें बाद में झगड़ा शुरू हो गया,किसी को कोई चोट नहीं आई है।इंस्पेक्टर पीजीआई धर्मपाल सिंह ने बताया कि नामजद आरोपी अंकित शर्मा, और सचिन यादव को गिरफ्तार कर लिया गया है। बाकी लोगों की तलाश की जा रही है।

दो पक्षों में हुई जमकर मारपीट

लखनऊ। थाना क्षेत्र के दहियर गांव में रविवार शाम दो पक्षों में हुए विवाद के बाद जमकर मारपीट हो गई। मारपीट के दौरान एक पक्ष की दो महिलाएं सहित चार घायल हुए। वहीं दूसरे पक्ष में ५ लोग जख्मी हुए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों पक्षों की ओर से प्राप्त तहरीर के आधार पर क्रास केस दर्ज कर मामले की जांच में जुट गई है।दहियर गांव निवासी सत्यनारायण पुत्र श्रीपाल ने आरोप लगाया कि रविवार की शाम मेरे ही गांव के रहने वाले मोहित नन्हे लाल मैकू गोलू राममिलन राहुल यह सभी लोग घर आकर गाली गलौज करने लगे। मेरे विरोध करने पर वे सभी मारपीट करने पर आमादा हो गए और मुझे मेरी पत्नी समेत बेटी व दामाद को बहुत मारा पीटा। मौके पर भीड़ इकट्ठी होते देख यह सभी जान से मारने की धमकी देते हुए वहां से भाग निकले। वहीं दूसरे पक्ष से मैकूलाल पुत्र बाबादीन ने भी सत्यनारायण शुभराज विनोद अमित व सोनू के विरुद्ध गाली गलौज मारपीट सहित जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए थाने में शिकायत दर्ज करवाई है। इंस्पेक्टर अखिलेश मिश्रा ने बताया कि दोनों पक्षों की तहरीर के आधार पर क्र स केस दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

आरडीएसओ निदेशक बंगला पीयुन ने संदिग्ध परिस्थितियों में की आत्महत्या

आलमबाग। मानक नगर कोतवाली इलाके के आरडीएसओ कालोनी में निदेशक के बंगले पर तैनात चपरासी ने संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी के फंदे से लटक आत्म हत्या कर ली।सूचना पर पहुंची स्थानीय पुलिस ने शव को नीचे उतार कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।मानक नगर कोतवाली प्रभारी सिद्धार्थ मिश्रा ने बताया कि आरडीएसओ क लोनी में बंगला संख्या सी– १७३६३ आऊट हाउस में निदेशक मुभसिर वारिस अपनी पत्नी गुलसन के साथ रहते है। वहीं मूलरूप से ग्राम छिबरी कोलकाता का रहने वाला बंगला चपरासी पद पर कार्यरत हैदर खान पुत्र आबिद का शव संदिग्ध परिस्थितियों में उसके कमरे में लटकता मिला है। निदेशक की पत्नी के सूचना पर मौके पर पहुंची मानक नगर पुलिस ने चपरासी को संदिग्ध परिस्थितियों में फंदे से झूलता देख शव को नीचे उतार कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।वहीं पुलिस के मुताबिक मृतक के परिजनों से उनके मोबाइल पर कई बार संपर्क किया गया लेकिन कोई संपर्क नही हो पा रहा है।

उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने बृजेश पाठक से की मुलाकात

लखनऊ। उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने रविवार को कैंट क्षेत्र से विजयी श्री बृजेश पाठक से उनके निवास पर मुलाकात की तथा श्री बृजेश पाठक को शुभकामनाएं एवं बधाई दी उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष

संजय गुप्ता ने श्री पाठक को पुष्प गुछ भेट किया तथा उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी शुभकामनाएं देने वाले पदाधिकारियों में व्यापारी नेता मनीष पांडे,अनिरुद्ध निगम ,मनीष जैन ,उमेश सनवाल, राजा राम रावत, प्रवीण मिश्रा आदि प्रमुख थे।

आजादी के बाद देश के सुरक्षा तंत्र में शायद ही कोई सुधार किया गया : मोदी

गांधीनगर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को अफसोस जताया कि आजादी के बाद देश के सुरक्षा तंत्र में जरूरत के बावजूद शायद ही कोई सुधार किया गया। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता के बाद आतंरिक सुरक्षा ढांचे में सुधार की आवश्यकता थी लेकिन देश इस मामले में पिछड़ गया। मोदी ने कहा कि आम लोगों की इस धारणा में बदलाव लाने की जरूरत है कि सुरक्षा एजेंसियों, खासकर पुलिस बल से दूर रहने में ही भलाई है। मोदी यहां राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय (आरआरयू) की नई इमारत का उद्घाटन करने के बाद संस्थान के दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने सुरक्षा तंत्र में शामिल सभी कर्मियों को संपूर्ण प्रशिक्षण देने पर जोर दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि ब्रिटिश शासन के दौरान आंतरिक सुरक्षा का मकसद जनता में भय बनाए रखना था, जिसे बदलने की जरूरत है। प्रधानमंत्री ने कहा, "आजादी के बाद देश के सुरक्षा तंत्र में सुधार लाने की जरूरत थी, लेकिन शायद ही कोई सुधार किया गया।" मोदी ने कहा कि उन्हें आरआरयू से काफी उम्मीदें हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कर्मियों की संख्या में इजाफा करने से कहीं अधिक ऐसे प्रशिक्षित अधिकारियों की जरूरत है जो तकनीकी समझ और मानवीय व्यवहार को बेहतर तरीके से समझने के साथ ही ये जानते हों कि युवा पीढ़ी से कैसे संचार करना है और जन आंदोलन के नेताओं के साथ किस तरह का व्यवहार करना है। मोदी ने कहा कि प्रशिक्षित कर्मियों की कमी के कारण सुरक्षा बल बातचीत की क्षमता खो देते हैं और कई बार कुछ शब्दों के कारण अंतिम क्षण में चीजें खराब हो जाती हैं।

उन्होंने कहा कि पुलिस और अन्य सुरक्षा बलों को असामाजिक तत्वों से सख्ती से निपटना चाहिए जबकि समाज के साथ नरमी भरा व्यवहार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि इससे लोगों के बीच मित्रता और विश्वास की धारणा पनपती है। प्रधानमंत्री ने कहा कि इन सब सुधार के लिए प्रशिक्षिण के तौर–तरीके में बदलाव की जरूरत होगी, जिसके लिए राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय की स्थापना की गई है। मोदी ने इस बात का भी उल्लेख किया कि संयुक्त परिवार जैसे पारंपरिक सहयोग में कमी के कारण भी पुलिसकर्मियों को अपना तनाव कम करने में कठिनाई का सामना करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि तनाव से लड़ने और बेहतर महसूस करने के लिए योग शिक्षिकों समेत विशेषज्ञों की जरूरत है जोकि इस तरह कि कठिनाइयों से निपटने में पुलिसकर्मियों की मदद कर सकते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि सुरक्षा बलों के लिए तकनीक महत्वपूर्ण है लेकिन इसके उपयोग के लिए उचित प्रशिक्षण की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, "एक क लेज या विश्वविद्यालय विकास में बड़ा योगदान दे सकते हैं। मैं आपको दो उदाहरण दूंगा। पहला– अहमदाबाद में ६० साल पहले कुछ उद्योगपतियों ने एक चिकित्सा क लेज स्थापित किया था, जिसकी बदौलत गुजरात फार्मा क्षेत्र में देश का सबसे अग्रणी राज्य बन गया।" प्रधानमंत्री ने आगे कहा, "इसी तरह, उस समय आईआईएम की भी स्थापना की गई थी, जो आज दुनियाभर को कुशल प्रबंधक और व्यवसायी दे रहा है। मैं आरआरयू से इसी तर्ज पर सुरक्षा क्षेत्र में कुशल नेतृत्व तैयार करने की उम्मीद रखता हूं।

आसनसोल से TMC के टिकट पर चुनावी मैदान में शत्रुघ्न सिन्हा, विधानसभा चुनाव लड़ेंगे बाबुल सुप्रियो

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में १ लोकसभा और ४ विधानसभा सीटों पर १२ अप्रैल को उपचुनाव होने हैं। जिन सीटों पर उपचुनाव होने हैं उनमें आसनसोल लोकसभा क्षेत्र भी शामिल है। आपको बता दें कि बाबुल सुप्रियो के भाजपा से इस्तीफा देने के बाद से यह सीट खाली हुई थी। बाबुल सुप्रियो ने भाजपा छोड़ तृणमूल कांग्रेस का दामन थाम लिया था। इन सबके बीच उपचुनाव को लेकर ममता बनर्जी ने बड़ा ऐलान किया है। दरअसल, पूर्व केंद्रीय मंत्री और मशहूर अभिनेता शत्रुघ्न सिन्हा को आसनसोल से तृणमूल कांग्रेस ने टिकट दिया है। यानी कि आसनसोल से शत्रुघ्न सिन्हा लोकसभा का चुनाव लड़ेंगे। खुद ममता बनर्जी ने इस बात का ऐलान किया है। जबकि बालीगंज विधानसभा सीट पर होने वाले उपचुनाव के लिए तृणमूल कांग्रेस ने बाबुल सुप्रियो को अपना उम्मीदवार बनाया है। बाबुल सुप्रियो भी मोदी सरकार में मंत्री रह चुके हैं। हालांकि मंत्रिमंडल

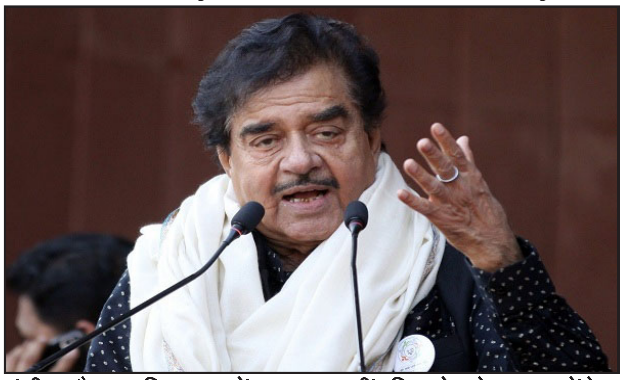

विस्तार में जगह नहीं मिलने के बाद उन्होंने भाजपा छोड़ दी थी। वहीं शत्रुघ्न सिन्हा भाजपा के टिकट पर लोकसभा में पटना साहिब का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। २०१६ के लोकसभा चुनाव में उन्होंने पटना साहिब से कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ा था। शत्रुघ्न सिन्हा को रविशंकर प्रसाद ने हराया था। माना जा रहा है कि राज्य में बाबुल सुप्रियो को ममता बनर्जी बड़ी भूमिका सौंप सकती हैं। गोवा चुनाव के दौरान भी बाबुल सुप्रियो ने एक अहम भूमिका निभाई थी। वहीं केंद्र में मोदी सरकार के आने के बाद से शत्रुघ्न सिन्हा लगातार भाजपा के खिलाफ हमलावर रहे हैं। २०१४ में वह पटना साहिब से चुनाव जीते थे। परंतु उन्हें मंत्री नहीं बनाया गया था। २०२० के बिहार विधानसभा चुनाव में उन्होंने अपने बेटे को कांग्रेस से टिकट दिलवाया था लेकिन हार झेलनी पड़ी। देखना दिलचस्प होगा कि अब शत्रुघ्न सिन्हा तृणमूल में जाकर क्या कमाल करते हैं? लेकिन माना जा रहा है कि तृणमूल इससे बिहार में अपने पैर पसारने की कोशिश करेंगी।

होली को लेकर आशियाना कोतवाली प्रांगण में संपन्न हुई पीस कमेटी

लखनऊ। अपराध नियंत्रण एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस प्रशासन की बड़ी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। अभी २०२२ का विधानसभा चुनाव शांतिपूर्ण माहौल में कराने के बाद अब रंगो का त्यौहार होली को शांति एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न

कराने के लिए कमिश्नरेट पुलिस ने अपनी सक्रियता बढ़ा दी है। इसी क्रम में रविवार की शाम लखनऊ कमिश्नरेट के आशियाना कोतवाली प्रांगण में एसीपी कैंट अर्चना सिंह की अध्यक्षता में पीस कमेटी की बैठक संपन्न हुई। बैठक में एसीपी कैंट अर्चना सिंह ने क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य लोगों से होली त्यौहार के मद्देनजर शांति व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस प्रशासन के साथ सामंजस्य बनाए रखने की अपील की। बैठक में आशियाना कोतवाली प्रभारी निरीक्षक दीपक पांडेय, एडिशनल एसएचओ श्याम बाबू सहित कोतवाली का समस्त स्टाफ मौजूद रहा। वहीं बैठक में लखनऊ महानगर सर्राफा एसोसिएशन के अध्यक्ष मनीष वर्मा, विद्यावती प्रथम वार्ड के पार्षद कौशलेंद्र द्विवेदी, महानगर सर्राफा एसोसिएशन के महामंत्री मनीष वर्मा मन्नू सहित क्षेत्र के अन्य जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य लोग मौजूद रहे।

अद्भुत इंसान: दुनिया का सबसे रहस्यमय इंसान

अमरेन्द्र सहाय अमर

कहते हैं यह दुनिया रहस्यों से भरी है . जब दिनिया रहस्यों से भरी है तो लोग भी रहस्यमय होंगे ही.दुनिया में ऐसे बहुत से इंसान हैं, जिनके रहस्य को आज तक न कोई जान पाया है , ना ही समझ पाया है. एक ऐसा ही रहस्यमयी इंसान १६वीं सदी में इंग्लैंड में हुआ करता था, जिसके बारे में दावा किया जाता है कि उसके दो चेहरे थे, एक आगे और एक पीछे. यह दुनिया का इकलौता ऐसा शख्स था, जिसके एक नहीं बल्कि दो–दो चेहरे थे. दो चेहरे वाले इस शख्स का नाम एडवर्ड मोरड्राके था. कहते हैं कि एडवर्ड का दूसरा चेहरा सक्रिय अवस्था में नहीं था, लेकिन जैसे ही वो सोने की कोशिश करते थे, उनका दूसरा चेहरा जाग जाता था. वह रात भर फुसफुसाता था. साल १६८५ में बोस्टन पोस्ट में एक लेख छपा था, जिसमें एडवर्ड

का जिक्र किया गया था. उसमें लिखा था कि एडवर्ड अपने दूसरे चेहरे से काफी परेशान थे, क्योंकि इसकी वजह से वह कई–कई दिनों तक सो नहीं पाते थे. कहा जाता है कि एडवर्ड अपने इलाज के लिए ड क्टर के पास भी गए थे, लेकिन चूंकि उस वक्त की तकनीक इतनी विकसित नहीं थी, इसलिए इलाज संभव न हो सका. हालांकि कहा यह भी जाता है कि डॉक्टरों ने उनका इलाज करने से मना कर दिया था. विज्ञापन कहते हैं कि एडवर्ड के सिर के पीछे वाला चेहरा एक लड़की का था, जिसकी आंखें तो थीं, लेकिन वो देख नहीं सकती थीं. इसके अलावा उस चेहरे का मुंह भी था, लेकिन वो खा नहीं सकता था और ना ही जोर से बोल पाता था. बस फुसफुसाता था और वो भी नर्क के बारे में. ऐसा कहा जाता है कि एडवर्ड जब खुश होते थे तो उनके दूसरे चेहरे को यह बर्दाश्त नहीं होता था और वो उनका उपहास करता था. इसके अलावा जब वो रोते थे तो उनका दूसरा चेहरा मुस्कुराता था. कहते हैं कि एडवर्ड ने अपने दूसरे चेहर से परेशान होकर आत्महत्या कर ली थी. उस वक्त उनकी महज ३७ साल थी. साल १८६६ की मेडिकल इंसाइक्लोपीडिया में एडवर्ड की मेडिकल कंडीशन का जिक्र किया गया है, लेकिन फिर भी इस पर कई सवाल हैं. लोग इसे कहानी ही मानते हैं।

सोनिया गांधी बनी रहेंगी कांग्रेस अध्यक्ष, सुरजेवाला बोले- हर कार्यकर्ता की चाहत राहुल करें पार्टी का नेतृत्व

नई दिल्ली। चुनावी हार और उसके बाद कांग्रेस में शुरू हुई रार के बाद आज कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक बुलाई गई थी। इस बैठक में कांग्रेस की चुनावी हार को लेकर चर्चा हुई और आगे की रणनीति पर भी मंथन किया गया। बैठक के बाद अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव के सी वेणुगोपाल ने कहा कि सीडब्ल्यूसी ने सर्वसम्मति से कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के नेतृत्व में विश्वास जताया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष संगठन को फिर से मजबूत करने के लिए तत्काल आधार पर सुधारात्मक उपाय लागू करेंगी। सीडब्ल्यूसी ने चर्चा की कि विधानसभा चुनाव में क्या गलत हुआ। गुलाम नबी आजाद, दिग्विजय सिंह समेत वरिष्ठ नेताओं ने सुझाव दिए। कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी ने अपने भाषण में कहा कि अगर पार्टी को लगता है तो हम तीनों (सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा) इस्तीफा देने के लिए तैयार हैं, लेकिन सीडब्ल्यूसी ने सर्वसम्मति से इसे खारिज कर दियारू सूत्र पार्टी प्रवक्ता रणदीप सुरजेवाला ने कहा कि कांग्रेस का हर कार्यकर्ता चाहता है कि राहुल गांधी पार्टी का नेतृत्व करें, संगठनात्मक चुनाव जारी हैं, अगले अध्यक्ष का फैसला उसी से होगा।

कांग्रेस कार्य समिति की बैठक ने नेताओं ने पार्टी की नवीनतम चुनावी हार पर चार घंटे से अधिक समय तक विचार– विमर्श किया। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने सीडब्ल्यूसी बैठक में सभी नेताओं की बात सुनी और कहा कि वह पार्टी को मजबूत करने के लिए सभी आवश्यक बदलाव करने की इच्छुक हैं। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सीडब्ल्यूसी में सुझाव दिया कि कांग्रेस उनके राज्य में चिंतन शिविर आयोजित करे। सूत्रों ने दावा किया कि कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी ने अपने भाषण में कहा कि अगर पार्टी को लगता है तो हम तीनों (सोनिया गांधी, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा) इस्तीफा देने के लिए तैयार हैं, लेकिन ब्ब् ने सर्वसम्मति से इसे खारिज कर दिया। कांग्रेस पार्टी २०२४ के लोकसभा चुनाव सहित आगामी चुनावों में चुनावी चुनौतियों का सामना करने के लिए पूरी तरह तैयार है।ब्ब् ने सर्वसम्मति से सोनिया गांधी के नेतृत्व में अपने विश्वास की पुष्टि की और उनसे कांग्रेस का नेतृत्व करने का अनुरोध किया। पार्टी की कार्यसमिति की बैठक के बाद कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी कांग्रेस का नेतृत्व करेंगी और भविष्य में भी वही निर्णय लेंगी। हम सभी को उनके नेतृत्व पर भरोसा है।

केंद्र पर ममता का हमला, कहा- जन विरोधी है सरकार, मिलकर करना होगा काले कानून का विरोध

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) पर ब्याज दरों में कटौती करने के लिए रविवार को केंद्र को आड़े हाथ लिया और व्यंग करते हुए कहा कि यह उत्तर प्रदेश में भाजपा की जीत के बाद भाजपा सरकार का ''उपहार'' है। बनर्जी ने इस ''किसानों, श्रमिकों और मध्यम वर्ग की कीमत पर उठाए गए इस जनविरोधी कदम" को विफल करने के लिए एकजुट होकर विरोध करने का आह्वान किया। बनर्जी ने ट्वीट किया, ''उत्तर प्रदेश की जीत के बाद, भाजपा सरकार तुरंत अपना उपहार लेकर आयी है। इसने एक ही बार में कर्मचारी भविष्य निधि जमा पर ब्याज दर को चार दशक के निचले स्तर पर लाने का प्रस्ताव करके खुद को बेनकाब किया है।'' वित्त वर्ष २०२१–२२ के लिए कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) जमा पर ब्याज दर इससे पिछले वित्त वर्ष की ८.५ प्रतिशत से घटाकर ८.१ फीसदी करने का प्रस्ताव शनिवार को किया गया। यह बीते चार दशक से भी अधिक समय में सबसे कम ब्याज दर है। बनर्जी ने लिखा, ''यह देश के मध्यम और निम्न मध्यम वर्ग के श्रमिकों और कर्मचारियों के महामारी–

प्रभावित वित्तीय तनाव के बीच हुआ है।'' उन्होंने कहा, ''जन–विरोधी, मजदूर–विरोधी कदम वर्तमान केंद्रीय प्रतिष्ठान की एकतरफा सार्वजनिक नीतियों को उजागर करता है, जो किसानों, श्रमिकों और मध्यम वर्गों की कीमत पर बड़े पूंजीपतियों के हितों की रक्षा करता हैं। काली पहल को एकजुट विरोधों द्वारा विफल किया जाना चाहिए।

दांत से काटकर भाग निकला बदमाश

लखनऊ । ठाकुरगंज में मरी माता मंदिर के पास कैंपल रोड हसरत टाउन निवासी सहाना से एक बदमाश ने पर्स लूट लिया। सहाना ने बहादुरी का परिचय दिया और बदमाश से भिड़ गई। काफी देर तक वह बदमाश को पकड़े रही। इस बीच बदमाश ने दांत से सहाना के हाथ पर काट लिया। दर्द से युवती कराह उठी और उसकी पकड़ ढ़ीली हो गई, जिसके बाद बदमाश वहां से भाग निकला। बदमाश सीसी कैमरे में कैद हो गया है, जिसकी पुलिस तलाश कर रही है।सहाना के चाचा आमिर ने बताया कि उनकी भतीजी शुक्रवार रात में दवा लेने के लिए निकली थी। मरी माता मंदिर के पास एक बदमाश ने सहाना का पर्स व मोबाइल फोन छीन लिया। सहाना ने इसका विरोध किया तो वह भागने लगा। हिम्मत दिखाते हुए सहाना बदमाश से भिड़ गई। छीना झपटी में सहाना का मोबाइल फोन टूट गया। कुछ देर तक सहाना बदमाश को पकड़े रहीं। इस बीच स्थानीय लोग मूकदर्शक बने रहे। कोई भी सहाना की मदद के लिए आगे नहीं आया। इस बीच बदमाश ने सहाना के हाथ पर दांत से काट लिया और धक्का देकर पर्स लेकर भाग निकला।स्थानीय लोगों को लगा कि सहाना का किसी युवक से आपसी विवाद हुआ है। हालांकि, बाद में जब लोगों ने सच्चाई जानी तो बदमाश का पीछा किया, लेकिन उसे पकड़ नहीं सके। बदमाश ने दांत से हाथ पर जोर से काटा था, जिससे खून निकलने लगा। सहाना के मुताबिक स्थानीय लोग अगर उसकी मदद के लिए आगे आए होते तो बदमाश भाग नहीं पाता। पुलिस के मुताबिक सीसी फुटेज के आधार पर बदमाश की पहचान की जा रही है। जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

लव यू पंजाब आपने कमाल कर दिया – अरविंद केजरीवाल

अमृतसर। आम आदमी पार्टी(आप) की पंजाब में प्रचंड जीत के बाद श्आपश सुप्रीमों अरविंद केजरीवाल व पंजाब के नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री भगवंत मान ने गुरु की नगरी अमृतसर में विशाल विजय यात्रा निकाल आम आदमी पार्टी की ऐतिहासिक जीत के लिए पंजाब की जनता का धन्यवाद किया। विजय यात्रा में केजरीवाल और भगवंत मान को देखने पंजाब के कोने–कोने से हजारों की संख्या में लोग पहुंचे हुए थे। अरविंद केजरीवाल ने पंजाब के ३ करोड़ पंजाबियों को नमन करते हुए कहा कि पंजाबियों तुसी कमाल कर दित्ता। पूरी दुनिया में आप लोगों के चर्चे हो रहे हैं। पूरी दुनिया को यकीन नहीं हो रहा कि पंजाब में इतना बड़ा इन्क्लाब आ गया है। दुनिया वाले यह तो जानते थे कि पंजाबी इन्क्लाब करते हैं, लेकिन इतना बड़ा इन्क्लाब कि इस सारे ही हार गए। अरविंद केजरीवाल ने कहा सारे बड़े नेता जो खुद को कद्दावर और नहीं हारने वाला समझते थें, आपने सबका अहंकार तोड़ दिया।'' केजरीवाल ने कहा कि प्रकाश सिंह बादल हार गए, सुखबीर सिंह बादल हार गए, नवजोत सिंह सिद्धू, हार गए मजीठिया हार गए, चन्नी दोनों सीटों से हार गए, मनप्रीत बादल भी हार गए। आपने किसी को नहीं छोड़ा। यह बहुत बड़ा इन्क्लाब है और यह पंजाबी ही कर सकते थे। आपने पूरे पंजाब में झाड़ू ही चला दिया। केजरीवाल ने कहा कि दशकों बाद पंजाब को एक ईमानदार मुख्यमंत्री मिला है। हमारा भगवंत मान कट्टर ईमानदार है। पंजाब की सरकार ईमानदार सरकार होगी। अगर हमारा कोई भी विधायक या मंत्री गलत काम करेगा या सत्ता का दुरुपयोग करेगा, हम उसके खिलाफ तुरंत कार्रवाई करेंगे। १६ मार्च को खटकड़ कलां में सिर्फ भगवंत मान नहीं पंजाब के सभी लोग मुख्यमंत्री बनेंगे। मेरा आपसे अनुरोध है कि आप सब शपथ ग्रहण समारोह की शोभा बढ़ाने शहीद–ए–आजम भगत सिंह की भूमि खटकर कलां आएं और उस ऐतिहासिक समारोह में शामिल होकर नया पंजाब बनाने की शुरुआत करें।केजरीवाल ने कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार पंजाब को तरक्की के रास्ते पर ले जाएगी। हम रंगला पंजाब बनाएंगे। एक–एक सरकारी पैसा जनता के ऊपर खर्च करेंगे। अब जनता के पैसे से जनता का काम होगा। हमने पंजाब के लोगों को जो भी गारंटियां

दी है, सब के सब पूरी करेंगे। थोड़ा समय लग सकता है, लेकिन कोई गारंटी अधूरी नहीं रहेगी। पंजाब के निर्वाचित मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि आपने इतिहास रच दिया। सभी रिवाईती पार्टियां आम आदमी पार्टी को हराने के लिए आपस में मिल गई थी, लेकिन पंजाब के इंकलाबी लोग उनके खिलाफ इकट्ठे हो गए और पंजाब को बचाने के लिए आम आदमी पार्टी को जिताया। मान ने कहा कि २० दिन भूख हड़ताल करके और लम्बा संघर्ष करने के बाद अरविंद केजरीवाल ने आम आदमी पार्टी बनाई। लोगों द्वारा दिए चंदे पर दिल्ली में चुनाव लड़ा और सरकार बनाई। देश की राजनिति से भ्रष्टाचार और परिवादवाद खत्म कर आम लोगों की भलाई की राजनीति करना ही आम आदमी पार्टी का उद्देश्य है। मान ने कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार आम लोगों की समस्याओं का समाधान करेगी और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करेगी। आमलोगों की सुरक्षा के लिए ही हमने सरकार बनने से पहले ही १२२ नेताओं की सिक्योरिटी वापस ले ली। इस कदम के कारण सैकड़ों पुलिस कर्मी नेता की सुरक्षा छोड़कर जनता की सुरक्षा में लगेंगे। १७ पुलिस की गाड़ियां नेताओं से मुक्त हो गई। अब पुलिस के जवान नेताओं–मंत्रियों की कोठियों और उनके परिवारों की सुरक्षा करने के बजाए जनता की सुरक्षा में तैनात होंगे। हम पुलिस से पुलिस का काम करवाएंगे और आम लोगों के लिए सुरक्षित माहौल तैयार करेंगे। मान ने कहा कि हमें संविधान निर्माता बाबा साहब भीमराव अंबेडकर और शहीद भगत सिंह के सपनों को पूरा करना है। शहीद भगत सिंह की सोच को बचाए रखना है और उसे आगे बढ़ाना है। देश के लिए अपनी जान कुर्बान करने वाले अपने महान स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धांजलि देने के लिए एवं उनकी क्रांति को एक–एक जनता तक पहुंचाने के लिए ही हम मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण समारोह को राजभवन से निकालकर शहीदों की भूमि खटकरकलां ले जा रहे हैं। इस अवसर पर विधायक डॉ कुंवर विजय प्रताप सिंह, विधायक डॉक्टर अजय गुप्ता, विधायक ड इंद्रजीत सिंह निज्जर ,विधायक डॉक्टर जसविंदर सिंह ,विधायक डॉक्टर जीवन ज्योत कौर, आप नेता अजय बतरा, पार्टी के नवनिर्वाचित विधायको सहित हजारों की संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित थे।

वाट्स एप के माध्यम से फर्जीवाड़ा कर करोड़ों रुपये हड़पने वाले गिरोह का एसटीएफ ने किया राजफाश

लखनऊ। अलग अलग कार एजेंसियों के मालिक बनकर वाट्स एप के माध्यम से फर्जीवाड़ा कर करोड़ों रुपये हड़पने वाले गिरोह का एसटीएफ ने राजफाश किया है। गिरोह के चार ठगों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपितों ने विभिन्न बैंकों व कार एजेंसियों से धोखाधड़ी कर ७६ लाख ४० हजार रुपये आरटीजीएस के माध्यम से अलग अलग खातों में स्थानांतरित करवाए थे।एएसपी एसटीएफ विशाल विक्रम सिंह के मुताबिक बिहार के बंगरा थाना बढरिया जनपद सिवान निवासी रानू कुमार सिंह, जलालपुर, थाना सिधवलिया गोपालगंज निवासी राहुल कुमार सिंह, बंगरा, थाना थावे गोपालगंज निवासी निहाल कुमार सिंह और साधूचौक, गोपालगंज निवासी पंकज कुमार साह को गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ में आरोपितों ने बताया कि १६ जनवरी को वाट्स एप नंबर से एसआरएम स्मार्ट हुप्स प्रा. लि. (मर्सडीज वेंज कार एजेंसी लखनऊ) का मालिक और सुगोइ मोटर्स प्रा.लि. (होंडा कार एजेंसी दिल्ली) का चीफ फाइनेंस अफसर बनकर, नेट बैंकिंग के माध्यम से १४ फर्जी बैंक खातों में पहले १८ लाख ४० हजार और फिर ५८ लाख रुपये ट्रांसफर करवाए थे। एसटीएफ ने चारों को गिरफ्तार कर अलग अलग बैंकों में जमा २५ लाख ६३ दो सौ रुपये फ्रीज करा दिए हैं। मर्सडीज एजेंसी के एकाउंटेंट ने इस मामले में बीबीडी थाने में एफआइआर दर्ज कराई थी। एजेंसी के एकाउंटेंट के मुताबिक उनके पास कंपनी के डायरेक्टर की फोटो लगे फोन नंबर से वाट्स एप पर मैसेज आया कि आज की आरटीजीएस डिटेल भेजो और दो चेकों की फोटो मांगी गई। इसके बाद पंजाब नेशनल बैंक जहां कंपनी का बैंक खाता है वहां के चीफ मैनेजर ने काल कर बताया गया कि आपके मालिक ने चेक भेजकर १८ लाख ४० हजार का आरटीजीएस कराया है। एकाउंटेंट ने जब कंपनी के डायरेक्टर से बात कर पूछा तो धोखाधड़ी की जानकारी हुई।गिरोह का सरगना रानू सिंह सितंबर २०२० में थाना बढ़रिया जनपद सिवान से नकदी व बाइक लूट में अपने साथी राहुल सिंह के साथ जेल जा चुका है। आरोपित एक युवक को गोली मारने के मामले में भी जेल भेजा गया था। पूछताछ में रानू ने बताया कि जेल से छूटने के बाद नवंबर २०२१ में उसकी मुलाकात सुमित शर्मा से हुई। सुमित ने बताया की वह साथियों संग अलग अलग माध्यमों से बैंक खातों से रुपये निकालता है। आरोपित कूटरचित दस्तावेजों का प्रयोग कर फर्जी बैंक खाते भी खुलवाते हैं। लालच में आकर रानू ने अपने दोस्त कपूर, प्रिंसराज, निहाल सिंह, राहुल, पंकज व अन्य के साथ मिलकर सुमित के लिए एटीएम से रुपये निकालने का काम शुरू किया।दिसंबर २०२१ में आरोपितों ने गोपालगंज से आइसीआइसीआइ के एटीएम से साढ़े दस लाख निकाले थे। इसके बाद आरोपितों ने बिहार, दिल्ली और लखनऊ के अलग अलग एटीएम ५१.५० लाख रुपये निकाले थे। आरोपितों ने बताया कि सुमित का साथी तौशीब सारे रुपये लेकर चला गया था और उन्हें छह सिम कार्ड, दो मोबाइल फोन और एक एटीएम कार्ड दिया था। तौशीब ने आरोपितों से कहा था कि अभी और रुपये आएंगे, जिसे निकालना है। गिरोह का जाल कई राज्यों में फैला है। एसटीएफ बैंक कर्मियों की मिलीभगत का पता लगा रही है।

मजदूर का गुम्मे से कुंच कर नृशंस हत्या

लखनऊ। पीजीआई कोतवाली क्षेत्र के तेलीबाग चौराहा शमसान घाट के भीतर आज सुबह एक मजदूर का शव मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया।सूचना पर पहुंची पुलिस को मौके से मजदूर की हत्या में उपयोग किया गया खून से सना इट वरामद हुआ है वहीं पुलिस मौके पर घंटो मृतक मजदूर का पहचान कराती रही लेकिन शव का शिनाख्त नही हो सका है। पुलिस ने मृतक मजदूर के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।पीजीआई कोतवाली प्रभारी धर्मपाल सिंह ने बताया कि रविवार सुबह तेलीबाग चौराहा से लगभग बीस मीटर दूरी पर शमसान घाट के भीतर एक मजदूर का शव मिला है। प्रथम दृष्टया में प्रतीत होता है कि हमलावरों ने ईंट से मजदूर के सर पर बेरहमी हमला कर हत्या किया गया है। मजदूर का शव लगभग एक दिन पुराना है मृतक मजदूरी करता था और यहीं रहकर खाना पीना करता और सोता था। मृतक का पहचान आसपास के मजदूरो से कराया गया लेकिन शव की पहचान नहीं हो सका है। मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है ।मृतक ने काले रंग का पैंट व भूरे रंग का शर्ट पहन रखा है ।हत्यारो की तलाश में स्थानीय पुलिस की एक टीम लगाई गई है।

देवंगत दिग्गज ऋषि कपूर की आखिरी फिल्म 'शर्माजी नमकीन' ३१ मार्च को होगी रिलीज

मुंबई। दिवंगत एक्टर ऋषि कपूर के द्वारा अभीनित उनकी आखिरी फिल्म 'शर्माजी नमकीन' ३१ मार्च को ओटीटी पर रिलीज की जाएगी. 'शर्माजी नमकीन' की रिलीज डेट की अनाउंसमेंट की घोषणा कर दी गई है. बताया गया है कि ये फिल्म ओटीटी प्लेटफ र्म अमेजन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम की जाएगी. फिल्म के निर्देशक हितेश भाटिया ने आखिरी बार ऋषि कपूर के साथ काम किया है. इस फिल्म में दिवंगत ऋषि कपूर के अलावा परेश रावल, जूही चावला और सतीश कौशिक भी

लीड रोल में हैं. बता दें कि इस फिल्म की आधी शूटिंग होने के बाद ऋषि कपूर का निधन हो गया था. उनके निधन के बाद परेश रावल ने उनके किरदार को निभाया और फिल्म की बची हुई शूटिंग पूरी की थी. कहा गया था कि ऋषि कपूर अपनी इस फिल्म को लेकर काफी उत्साहित थे और वे इसपर लोगों को रिएक्शन देखना चाहते थे. ऐसे में उनके दिल का दौरा पड़ने के निधन के बाद भी इस फिल्म को उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए पूरी किया गया. फिल्म 'शर्माजी नमकीन' में ऋषि कपूर एक ६० साल के व्यक्ति का किरदार निभाया था. वे उम्र के इस पड़ाव में एक महिला के प्यार में पड़ते दिखाए गए हैं. फिल्म शर्माजी नमकीन का निर्माण फिल्म एक्सेल एंटरटेनमेंट और मैकगफिन पिक्चर्स के बैनर तले किया गया है. फिल्म के निर्देशक का कहना है कि लोगों को अस फिल्म में हंसी के फुव्वारों के साथ भावनाओं का साराभोर देखने को मिलेगा।

बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही द कश्मीर फाइल्स, रिलीज के दूसरे दिन भी फिल्म की हुई भारी कमाई

मुंबई। प्रभास की फिल्म राधे–श्याम कोई खास कमाल नहीं दिखा पाई है। आपको बता

दें कि, अनुपम खेर की द कश्मीर फाइल्स के सामने प्रभास की फल्मि की कमाई काफी स्लो होते हुए दिख रही है। द कश्मीर फाइल्स ने दूसरे दिन में अब तक १३६.४४ प्रतिशत की कमाई कर ली है। ट्रेड एनालिस्ट तरण आदर्श की जानकारी के मुताबिक, कश्मीर फाइल्स ने पहली ही दिन करीब ३.५५ करोड़ रुपए का कलेक्शन कर लिया था। शनिवार को फिल्म ने ८.५० करोड़ रुपए कमाए थे। देखा जाए तो फिल्म पहले ही दिन से जबरदस्त कमई कर रहा है। इस फिल्म को दर्शकों से काफी ज्यादा प्यार मिल रहा है। ११ मार्च को रीलिज हुई द कश्मीर फाइल्स सिनेमाघरों में दिखाई जा रही है। साउथ की फिल्म राधे–श्याम भी कश्मीर फाइल्स के सामने ज्यादा चल नहीं पा रही है। बॉक्स की रिपोर्ट के अनुसार, प्रभास जैसे स्टार राधे–श्याम की तुलना में द कश्मीर फाइल्स' बेहतर नजर आ रही है।

हमारे अन्य प्रतिनिधि
lat; ckthibZ
lhrkiqj
eks-9935160370
प्रियंका त्रिपाठी
नई दिल्ली
विधिक सलाहकार
lqjs'k ukjk;.k feJ
क्षेत्रीय सम्पादक
lkSjHk dqekj] fcgkj
eks-09386075289
मो० अरशद
C;wjks phQ
eÅ

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय द्वारा सांई आफसेट प्रिन्टर्स, 40 भवन भातखण्डे संगीत महाविद्यालय के पीछे, कैसरब,ग लखनऊ से छपवाकर एमआईजी 2/379 रश्मिखंड शारदानगर आशियाना लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।
आर.एन.आई
UPHIN/2010/32566
सम्पादक
आरती पाण्डेय
मो.9415087228
9889745884. 9807059191. 9026560178
Email-
adbhutsamachar@yahoo.in
adbhut_samachar@rediffmail.com

सभी विवादों का न्यायक्षेत्र लखनऊ होगा।

समाचार पत्र में छपी समस्त प्रकार की खबरों एवं लेखों का स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक आरती पाण्डेय से किसी भी प्रकार का कोई लेना देना नहीं है। समाचार पत्र में छपी खबर एवं लेख पत्रकारों के अपने निजी विचार हैं। समाचार पत्र से जुड़े समस्त पत्रकारों के पद अवैतनिक हैं। और वह सब स्वतंत्र पत्रकार हैं। प्रकाशक/सम्पादक